मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 235, मुंबई, मंगलवार, 7 नवंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

जलगांव में घर लौट रहे मजदूरों को कार ने कुचला

3 महिलाओं की दर्दनाक मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में हादसों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जलगांव शहर में एक भयानक दुर्घटना हुई है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गयी है। सभी पीड़ित खेतिहर मजदूर बताये जा रहे है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, जलगांव शहर में संजय गांधी सहकारी कॉटन मिल के पास एक मोड़ पर तेज रफ्तार कार ने तीन महिलाओं को रौंद दिया। सभी सड़क के किनारे खड़ी थी, तभी बेकाबू क्रेटा कार ने उन्हें कुचल दिया। इस दुर्घटना में आसलगाव निवासी मां-बेटी सहित एक 65 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गयी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बॉडी बैग स्कैम केस

ईडी ने मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर को भेजा समन

8 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में खिचड़ी घोटाला और मुंबई में बॉडी बैग्स स्कैम मामले की जांच तेज हो गई है। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई की पूर्व मेयर और उद्धव ठाकरे गुट की नेता किशोरी पेडणेकर को समन भेजा है। ईडी ने पेडणेकर को 8 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। इसके साथ-साथ ईडी ने बीएमसी के एडिशनल कमिश्नर पी वेलारासू को भी समन भेजा और उन्होंने भी पूछताछ के लिए बुलाया है। खिचड़ी घोटाला मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शिवसेना यूबीटी नेता अमोल कीर्तीकर से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की थी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

हाई कोर्ट ने दी थी अंतरिम राहत

बंबई उच्च न्यायालय ने छह सितंबर को पेडणेकर की याचिका पर सुनवाई करते हुए गिरफ्तारी से चार सप्ताह की अंतरिम राहत दी थी। हालांकि, अंतरिम की अवधि अब खत्म हो चुकी है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि मामले की जांच की जा रही है ऐसे में पेडणेकर को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने पेडणेकर को ईओडब्ल्यू द्वारा की जा रही मामले की जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था।

दिवाली पर होगी बारिश!

मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बदलेगा मौसम

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई जिलों में मौसम एक बार फिर करवट ले सकता है। हालांकि, रात और सुबह में सूरज निकलने तक गुलाबी ठंड का अहसास हो रहा है। लेकिन दोपहर में अभी भी पसीने छुड़ाने वाली गर्मी पड़ रही है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में बारिश की भविष्यवाणी की है। इससे न केवल पारा लुढ़केगा, बल्कि हवा में प्रदूषण का स्तर भी कम होगा। मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि 8 से 9 नवंबर के बीच निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसके कारण दिवाली वीक के दौरान हल्की बारिश होने की संभावना है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र ग्राम पंचायत चुनाव में चाचा पर बीस पड़ा भतीजा, शिंदे से पिछड़े उद्धव ठाकरे

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में रविवार को ग्राम पंचायत के चुनाव हुए थे। आज उसके नतीजे आ रहे हैं। अभी तक आए नतीजों में बीजेपी 600 से अधिक सीटें जीतकर पहले स्थान पर है, जबकि महाराष्ट्र की सत्ता में सहयोगी शिवसेना शिंदे गुट और एनसीपी अजित पवार गुट ने भी करीब 1000 सीटों पर कब्जा कर लिया है। जीन सीटों पर अभी काउंटिंग चल रही है उनपर भी बीजेपी और उसकी सहयोगी पार्टियां आगे चल रही हैं। ग्राम पंचायत चुनाव में पवार गुट की बात करें तो अजित पवार गुट का प्रदर्शन दमदार रहा है। चाचा-भतीजे के अलग होने के बाद किसी चुनाव में यह दोनों के बीच पहला मुकाबला था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

केसीआर ने बिगाड़ा कांग्रेस का खेल

ग्राम पंचायतों की इस चुनाव में सबसे ज्यादा चौंकाने वाले नतीजे विदर्भ में देखने को मिले हैं। विदर्भ में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति को कई सीटों पर जीत हासिल हुई है। माना जा रहा है कि बीआरएस ने सबसे बड़ा झटका कांग्रेस को दिया है। बीआरएस ने विदर्भ में 9 से ज्यादा सीटें जीती हैं।

चुनाव में बीजेपी की बल्ले-बल्ले

कुल मिलाकर देखें तो ग्राम पंचायत के इस चुनाव में बीजेपी ने साबित कर दिया है कि जमीनी स्तर पर उसकी पकड़ मजबूत हुई है। ग्राम पंचायत के परिणाम यह भी दर्शाते हैं कि अजित पवार को चाचा शरद पवार से अलग होने का राजनीतिक लाभ भी मिला है। दूसरी ओर शिवसेना में दो फाड़ करने वाले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए यह भी यह चुनावी नतीजे किसी बूस्टर डोज से कम नहीं है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मुफ्त अनाज का सवाल

अगर पांच किलो मुफ्त अनाज की राहत के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को वैसी दिशा देने की कोशिश हो, जिसमें रोजगार और कारोबार के अवसर पैदा होते हों, तो यह बैंड-एड एक सही उपाय समझा जाएगा। वरना, लोग इसे वोट खरीदने की योजना ही मानेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार के दौरान एलान किया कि देश में लगभग 80 करोड़ लोगों को पांच साल और पांच किलो मुफ्त अनाज मिलता रहेगा। इस तरह कोरोना महामारी के आपातकाल में उठाया गया कदम अब मोदी सरकार की स्थायी कल्याण योजना बन गया है। इस ताजा एलान पर दो शुरूआती सवाल उठाए गए हैं। पहला यह कि क्या प्रचार के दौरान ऐसा नीतिगत एलान चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है। दूसरा प्रश्न इसकी आर्थिकी और उसके राजकोष पर प्रभाव को लेकर उठाया गया है। एक तीसरी टिप्पणी थोड़े व्यंग्यात्मक लहजे में की गई है, जिसका तात्पर्य यह है कि प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि देश की दो तिहाई आबादी अगले कम-से-कम पांच साल तक उनकी रेवड़ी पर निर्भर रहने के लिए बाध्य बनी रहेगी। बहरहाल, फौरी प्रतिक्रियाएं हैं। मुद्दा कहीं अधिक गंभीर और दीर्घकालिक है। इसका संबंध देश की विकास नीति से है। अगर बड़ी संख्या में लोग खाने को मोहताज हों, तो उन्हें भोजन उपलब्ध कराया जाए, इस सोच में कोई गड़बड़ी नहीं है। लेकिन यह कोई स्थायी समाधान नहीं हो सकता। अगर ऐसी राहत के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को वैसी दिशा देने की कोशिश हो, जिसमें रोजगार और कारोबार के अवसर पैदा होते हों, तो फिर यह बैंड-एड एक सही उपाय समझा जाएगा। लेकिन हम ऐसा होते नहीं देख रहे हैं। बल्कि अर्थव्यवस्था में जो गति थी और मानव विकास की जड़ों को मजबूत करने का जो ढांचा पहले मौजूद था, उन सब पर पिछले साढ़े नौ साल में प्रहार होता देखा गया है। उस दिशा की बदलने की कोई सोच अभी सामने आती नहीं दिख रही है। इसीलिए प्रधानमंत्री के एलान को अगर वोट खरीदने का प्रयास बताया गया है, तो इस आलोचना में दम नजर आता है। यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि पांच किलो मुफ्त अनाज से लोगों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल सकता। वह तभी हो सकता है, जब परिवारों की आय बढ़ेगी और वे खान-पान की चीजों के चयन की स्थिति में होंगे। वरना, वो विडंबना बनी रहेगी, जिसमें मुफ्त अनाज मिलने के बावजूद भारत हंगर इंडेक्स में गिरता जाएगा।

न्यायिक सक्रियता से क्या टकराव बढ़ेगा?

न्यायपालिका और विधायिका के बीच टकराव का क्या नया दौर शुरू होने जा रहा है? देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में कहा है कि विधायिका चाहे तो नए कानून बना सकती है लेकिन वह अदालत के किसी फैसले को सीधे खारिज नहीं कर सकती है। यह उनका अपना आकलन नहीं है, बल्कि संवैधानिक स्थिति है, जिसका जिक्र करके उन्होंने स्थिति स्पष्ट की। इस बयान को एक के बाद एक हो रही घटनाओं के साथ मिला कर देखें तो समझ में आता है कि आने वाला समय टकराव का हो सकता है। एक के बाद एक अनेक ऐसे मुद्दे सुप्रीम कोर्ट के सामने पहुंच रहे हैं, जिनमें संविधान का सवाल शामिल है। संभवतः तभी चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कुछ समय पहले कहा था कि वे सात सदस्यों की एक स्थायी संविधान पीठ गठित करने पर विचार कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो इसका मतलब होगा कि टकराव नहीं भी हो तो विधायिका और न्यायपालिका में स्थायी तनाव बना रहेगा।

वैसे अभी तक देश की उच्च न्यायपालिका और सरकार के बीच एक मुद्दे को छोड़ कर टकराव की स्थिति नहीं बनी है। टकराव का एकमात्र मुद्दा जजों की नियुक्ति का है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम की ओर से भेजी गई सिफारिशों को सरकार आंख मूंद कर स्वीकार नहीं कर रही है। इस पर कई जज आपत्ति कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने पिछले दिनों कहा कि वह हर 15 दिन पर इस मसले पर सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि सरकार कॉलेजियम की ओर से भेजे गए नामों को एक बार में मंजूरी नहीं दे रही है, जिससे जजों की वरिष्ठता प्रभावित हो रही है। कॉलेजियम की ओर से भेजी गई दर्जनों सिफारिशें सरकार के पास लंबित रहती हैं। सो, जजों की नियुक्ति के एक मामले को छोड़ दें तो सरकार और न्यायपालिका में टकराव नहीं हुआ है। अदालतें सुनवाई के दौरान सख्त टिप्पणी करती हैं लेकिन फैसला उस टिप्पणी के अनुरूप नहीं करती हैं। कई बार टिप्पणी के बिल्कुल विपरीत फैसला होता है। टिप्पणियों से लगता है कि अदालत बहुत नाराज है और सरकार के खिलाफ फैसला आएगा लेकिन ऐसा नहीं होता है।

परंतु आने वाले दिनों में यह स्थिति बदल सकती है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का एक साल का अगला कार्यकाल टकराव वाला हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के कुछ फैसलों से इसकी बुनियाद रखी जा चुकी है। मिसाल के तौर पर एक फैसला महाराष्ट्र के स्पीकर को विधायकों की अयोग्यता के बारे में फैसला करने की टाइमलाइन देने का है। केंद्र और राज्य सरकार के विरोध के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर राहुल नार्वेकर को कहा कि वे शिव सेना विधायकों की अयोग्यता पर 31 दिसंबर तक और एनसीपी विधायकों की अयोग्यता पर 31 जनवरी तक अंतिम फैसला करें। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कई बार स्पीकर की निष्क्रियता को लेकर टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि वे अनिश्चितकाल तक मामले को लंबित नहीं रख सकते। लेकिन स्पीकर ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उलटे उन्होंने कहा कि वे फैसले में न देरी करेंगे और न जल्दबाजी करेंगे क्योंकि जल्दबाजी करने से अन्याय होने की संभावना बढ़ जाती है। उनके इस रवैए को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित कर दिया। इस मामले में सरकार ने कहा था कि इससे पीठासीन अधिकारियों को टाइमलाइन देने की गलत परम्परा शुरू होगी और हाई कोर्ट भी इस तरह के आदेश देने लगेंगे।

इसके अलावा दो और मामले थे, जिनमें लगा था कि अदालत का टकराव सरकार के साथ बढ़ सकता है, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले से इस स्थिति को टाल दिया। पहला मामला दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत का था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के कामकाज को लेकर बहुत सख्त टिप्पणी की थी। अदालत ने यहां तक कहा था कि एजेंसी सबूत ले आए नहीं तो केस दो मिनट नहीं टिकेगा। हालांकि बाद में अदालत ने सिसोदिया को जमानत नहीं दी। इसी तरह दूसरा मामला आप के ही दूसरे नेता राघव चड्ढा का था। उनको राज्यसभा से निलंबित किए जाने पर अदालत ने बहुत सख्त टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस तरह से सदस्यों को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करना चिंताजनक है। तब लगा था कि शायद अदालत संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों को लेकर कोई आदेश पारित कर सकती है। लेकिन अंत में अदालत ने चड्ढा को कहा कि वे राज्यसभा के सभापति से बिना शर्त माफी मांग कर मामले को खत्म करें। साथ ही सभापति को भी अदालत ने कहा कि अगर चड्ढा बिना शर्त माफी मांगते हैं तो वे सहानुभूतिपूर्वक इस पर विचार करें।

इन दो-तीन मामलों के बाद अब जो मामले सर्वोच्च अदालत के सामने लम्बित हैं और एक के बाद जिस तरह के मामले अदालत के सामने पहुंच रहे हैं उसे देखते हुए लग रहा है कि आने वाले दिनों में टकराव का नया दौर शुरू हो सकता है। इन मामलों में चुनावी बॉन्ड का मामला है, जिस पर सुनवाई पूरी करके अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में भी सुनवाई के दौरान अदालत की टिप्पणी बहुत सख्त थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मानने में बहुत मुश्किल है कि नागरिकों को चंदे का स्रोत जानने का हक नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में चुनिंदा गोपनीयता है यानी सत्तापक्ष को स्रोत का पता है, जबकि विपक्ष को नहीं पता है। इस मामले में अदालत का फैसला बहुत अहम होगा। इसी तरह प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के अधिकारों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई भी अहम होगी। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अपने ही फैसले के कुछ पहलुओं की समीक्षा करने वाली है।

इसके अलावा विपक्ष के नेता जिस रफ्तार से सुप्रीम कोर्ट की दौड़ लगा रहे हैं उससे भी टकराव की संभावना पैदा हो रही है। हाल के दिनों में तीन राज्य सरकारों ने अदालत का रुख किया है। पंजाब सरकार इस बात को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है कि राज्यपाल ने विधानसभा सत्र में पेश करने के लिए भेजे गए विधेयकों को मंजूरी नहीं दी। हालांकि पंजाब सरकार के अदालत में जाने और उस पर सुनवाई से पहले राज्यपाल ने दो धन विधेयकों को मंजूरी दे दी। इसी तरह तमिलनाडु और केरल की सरकारें सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं। उनका कहना है कि राज्यपालों ने विधानसभा से पास किए गए विधेयकों को लटका कर रखा है, उस पर मंजूरी नहीं दे रहे हैं। इस बीच तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा का मामला आया है। लोकसभा की एथिक्स कमेटी अगर उनकी सदस्यता खत्म करती है तो वे इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगी। ध्यान रहे पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि के मामले में राहुल गांधी को राहत दी थी, जिसके बाद उनकी सदस्यता बहाल हुई थी और अब राजद के नेता तेजस्वी यादव भी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। बहरहाल, राज्यपालों के अधिकारों और कामकाज से लेकर संसद व विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों और केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज से लेकर राजनीतिक दलों के चंदे से जुड़े इतने मामले में अदालत में पहुंच गए हैं या पहुंचने वाले हैं कि आने वाले दिन टकराव वाले हो सकते हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कब्रिस्तान की मांग मुंब्रा शहर में सबसे पहले हजरत मुसन्ने मियां के बाद उनके सज्जादे हजरत मोईन अशरफ मिया द्वारा की गई थी पर दुर्भाग्यपूर्ण आज तक मुंब्रा शहर को एक बेहतर कब्रिस्तान नहीं मिल पाया

क्या ठाणे मनपा प्रशासन द्वारा कौसा स्थित एमएम वैली परिसर का कब्रिस्तान को मुंब्रा शहर के हवाले कर दिया गया है? आगे से जो भी कब्रिस्तान संबंधित निर्माण कार्य करना हो तो क्या मुंब्रा शहर के पूर्व नगरसेवक या समाजसेवक द्वारा किए जाएंगे?

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। बीते कई वर्षों से विवादों में रहा कौसा स्थित एमएम वैली परिसर का सुन्नी कब्रिस्तान अब ठाणे मनपा प्रशासन की ओर से मुंब्रा शहर की जनता के हवाले कर दिया गया है क्या? क्योंकि समाज सेवी द्वारा कब्रिस्तान निर्माण को लेकर बीते 3 वर्षों से पत्र व्यवहार किया गया है और जो भी कमियां कब्रिस्तान में पाई जारी है उसे दूर करने के लिए निवेदन दिया गया था लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण बात तो यह है 3 साल बीत जाने के बाद भी अब तक कब्रिस्तान की हालात पूरी तरह से खस्ता है बताया जा रहा है अब तक 5000 से ज्यादा मैयतें कब्रिस्तान में दफन की जा चुकी है फिर भी अभी तक कब्रिस्तान को बेहतर तरीके से नहीं बनाया गया है इस मामले में दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुस समद खान से बात करते हुए मुंब्रा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त बालू पिछड़ ने जानकारी देते हुए बताया की कब्रिस्तान के विकास कार्य के लिए अभी तक ठाणे मनपा प्रशासन की तरफ से किसी प्रकार की कोई भी

कब्रिस्तान का मुख्य द्वार

हजरत मुसन्ने मियां

हजरत मोईन अशरफ मियां

निधि की पारित नहीं की गई है और ना किसी प्रकार का कोई भी विकास कार्य ठाणे मनपा प्रशासन की तरफ से किया जा रहा है लेकिन जो भी मामला है कब्रिस्तान के संबंध में है उसे प्रलंभित बताया जा रहा है उसे जल्द पूरा करने की कोशिश की जा रही है ठाणे मनपा प्रशासन की हालत को देखते हुए और कब्रिस्तान में हो रही दिक्कतों के चलते मुंब्रा के पूर्व नगर सेवक शानू अशरफ पठान ने कब्रिस्तान का मुख्य द्वार और मीनार बनाने का बीड़ा उठा लिया है जिसका विकास कार्य उनके हाथों से किया जा रहा है लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है 4000 करोड़ की ठाणे मनपा प्रशासन अब तक मुंब्रा शहर में 15 लाख की आबादी होने के बावजूद भी एक बेहतर कब्रिस्तान नहीं दे पाई आपको बताते चले 22 साल पहले मुंब्रा शहर की जानी-मानी हस्ती हजरत मुसन्ने मियां द्वारा दारुल उलूम मदरसा मस्जिद के लेटर पैड पर मुंब्रा शहर में एक कब्रिस्तान बनाने की सबसे पहले मांग की गई थी जब उस वक्त के विधायक गणेश नायक हुआ करते थे हालांकि गणेश नायक ने हजरत से कहा था कि मित्तल ग्राउंड में आपको जितनी जगह चाहिए कब्रिस्तान के लिए ले लीजिए लेकिन उन्होंने कहा कि हमारे शहर के लिए हमको छोटा सा एक कब्रिस्तान दीजिए लेकिन सही दीजिए ताकि आने वाले समय में सरकार बदलने के बाद डीपी प्लान के बाद कब्रिस्तान का हेर फेर नहीं किया जाए लिहाजा प्रशासन की तरफ से जो भी कब्रिस्तान दिया जाए वो मुंब्रा शहर के लिए सही तरीके से दिया जाए ताकि भविष्य में कब्रिस्तान को स्थानांतरण करने की आवश्यकता ना पड़े उनके स्वर्गवास के बाद हजरत मोईन अशरफ मियां ने स्थानीय विधायक जितेंद्र अवार्ड से मुंब्रा शहर को एक बेहतर कब्रिस्तान देने की मांग की थी लेकिन मुंब्रा शहर को एक बेहतर कब्रिस्तान आज तक नहीं मिला विवादों में लटका पड़ा है मुंब्रा शहर का कब्रिस्तान।

समाजवादी पार्टी द्वारा अब्दुल मन्नान शेख को बनाया गया कलवा मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष

कार्यकर्ताओं में दौड़ी खुशी की लहर

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी द्वारा मुंब्रा शहर की जिम्मेदारी देते हुए अब्दुल मन्नान शेख को कलवा मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया जिसके बाद उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी हालांकि एक वक्त वह था जब मुंब्रा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी मजबूत पार्टी मानी जाती थी लेकिन बीते कई वर्षों से समाजवादी पार्टी मुंब्रा शहर में पूरी तरह से कमजोर दिखाई दे रही है जिसका नेतृत्व करने वाला कोई भी मजबूत दावेदार मुंब्रा क्षेत्र में नहीं होने के कारण समाजवादी पार्टी पूरी तरह से कमजोर पड़ गई थी और अब माना जा रहा है समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अब्दुल मन्नान शेख को चुना गया है सपा कार्यकर्ता द्वारा बताया जा रहा है कि बीते काफी समय से समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य अब्दुल मन्नान शेख द्वारा किया जा रहा था जिसके चलते आज उनको कलवा मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष बनाया गया है इस मामले में दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुस समद खान को जानकारी देते हुए बताया की जो भरोसा मुझ पर महाराष्ट्र प्रदेश

अध्यक्ष अबू आसिम आजमी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा दिखाया गया है उनके भरोसे पर मैं खरे उतरने की पूरी कोशिश करूंगा और पार्टी को किस तरह से मजबूत बनाया जाए इसका पूरा प्रयत्न करूंगा और जो विकास कार्य मुंब्रा शहर में अब तक नहीं किया गया है उसके लिए मैं और मेरी पार्टी मिलकर आवाज उठाएंगे और जनता के जो भी मसले मसायल है उन्हें दूर करने की पूरी कोशिश करूंगा उन्होंने बताया समाजवादी पार्टी से पहले उत्तर भारतीय मंच से कलवा मुंब्रा में समाज सेवा कर रहा हूं और आज उन्हीं का यह फल मिला है कि मुझे मुंबई विधायक और महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी के मार्गदर्शन में ठाणे शहर अध्यक्ष मोहम्मद मोअल्लम खान उर्फ उर्फ मामा ने नियुक्ति पत्र देकर कलवा मुंब्रा क्षेत्र का अध्यक्ष बनाया है जिसके बाद समाजवादी पार्टी में खुशी की लहर देखी जा रही है इस अवसर पर आदिल खान आदमी, (अध्यापक)आदिल खान, अशरफ खान, कमालुद्दीन अंसारी, जलालुद्दीन सैयद, एहतेशाम शेख, अनवर अली अंसारी, जेब फाल्के, नूर अहमदी सहित तमाम उनके प्रशंसकों ने अब्दुल मन्नान शेख को दिली मुबारकबाद पेश की।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

बॉडी बैग स्कैम केस

अमोल कीर्तिकर पूर्व लोकसभा सांसद गजानन कीर्तिकर के बेटे हैं। ईओडब्ल्यू को अमोलकीर्तिकर पर खिचड़ी वितरण का ऑर्डर दिलाने में ठेकेदारों का मदद करने का संदेह है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने बीजेपी नेता किरीट सोमैया की शिकायत के आधार पर पेडणेकर और बीएमसी के दो सीनियर अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया है। पेडणेकर और बीएमसी अधिकारियों पर आरोप है कि महामारी के दौरान बीएमसी की ओर से स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रबंधन और कोरोना से जान गंवाने वाले मरीजों के शवों को रखने के लिए बॉडी बैग, मास्क और अन्य वस्तुओं की खरीदी पैसे का दुरुपयोग और गड़बड़ी का आरोप है। कोरोना महामारी के दौरान पेडणेकर नवंबर 2019 से लेकर मार्च 2022 तक मुंबई की मेयर थीं।

महाराष्ट्र ग्राम पंचायत चुनाव में चाचा पर बीस पड़ा भतीजा

शिवसेना के दो गुटों में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट ने उद्धव ठाकरे गुट की तुलना में शानदार प्रदर्शन किया है और कई सीटों पर सीधे-सीधे के मुकाबले में मात देते हुए जीत हासिल की है। वहीं, कांग्रेस पार्टी को उसके गढ़ में मुंह की खानी पड़ी है। सबसे पहले हम पवार गुट के प्रदर्शन पर एक नजर मार लेते हैं। बारामती तालुका में अजित पवार के गुट का दबदबा देखने को मिला है। यहां की अधिकतर सीटें अजित गुट के खाते में गई हैं जबकि शरद पवार गुट का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। बारामती की 32 ग्राम पंचायतों के नतीजों में अजित पवार गुट को 30 सीटों पर जीत मिली है जबकि दो सीटें बीजेपी के खाते में गई है। बारामती तालुका की जनता ने बता दिया है कि वो अजित पवार के साथ है। कोल्हापुर और नासिक जिले में भी अजित पवार गुट का प्रदर्शन दमदार रहा है। नासिक में कुल 48 ग्राम पंचायत हैं। इनमें अजित पवार गुट को 9 पर जीत मिली है, जबकि शरद पवार गुट के खाते में 4 सीटें गई हैं। वहीं, कोल्हापुर में अजित गुट सबसे ज्यादा 14 ग्राम पंचायतों में जीत हासिल की है जबकि शरद पवार गुट का खाता तक नहीं खुला है। पुणे जिले में अजित पवार गुट का प्रदर्शन शानदार देखने को मिला है। पुणे की कुल 231 ग्राम पंचायतों में अजित गुट को 109 ग्राम पंचायतों में जीत हासिल हुई है जबकि शरद पवार गुट को 27 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। अब शिवसेना गुट के प्रदर्शन भी एक नजर डाल लेते हैं। शुरूआत छत्रपति संभाजी नगर जिले से ही करते हैं। यहां कुल 16 ग्राम पंचायतें हैं। इन 16 सीटों में से उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को मात्र 1 पर जीत मिली है जबकि शिंदे गुट की शिवसेना 3 सीटों पर विजयी हुई है। नासिक में भी शिंदे गुट आगे है। यहां, शिंदे गुट की शिवसेना को अब तक 5 सीटों पर जीत मिली है जबकि उद्धव ठाकरे गुट के खाते में 4 सीटें गई हैं। कुछ ग्राम पंचायतों के नतीजे अभी आने बाकी हैं। कोल्हापुर में भी शिंदे गुट का प्रदर्शन शानदार रहा है। यहां, शिंदे गुट को 6 सीटों पर जीत मिली है जबकि ठाकरे गुट को 1 सीट पर संतोष करना पड़ा है। हालांकि, पुणे ग्राम पंचायत चुनाव में शिंदे गुट की तुलना में ठाकरे गुट का प्रदर्शन बेहतर देखने को मिला है। शिंदे गुट 10 सीट हासिल की है जबकि ठाकरे गुट को 13 पर जीत मिली है।

जलगांव में घर लौट रहे मजदूरों को कार ने कुचला

यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा रविवार रात में हुआ। बताया जा रहा है कि जब तीनों महिलाएं खेत का काम पूरा कर सड़क से पैदल घर जा रही थीं, तभी नांदुरा की ओर से तेज गति से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए उन्हें जलगांव जामोद ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही नंदाबाई महादेव दांडगे (उम्र 50 वर्ष) और उनकी बेटी वैष्णवी महादेव दांडगे (उम्र 17 वर्ष) की मौत हो गई। जबकि बुजुर्ग बेबाबाई लक्ष्मण घोपे को ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद खामगाव रेफर किया गया। लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में उनकी भी मौत हो गई।

दिवाली पर होगी बारिश!

इससे शहर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता से कुछ राहत मिल सकती है। इस साल दिवाली 12 नवंबर को है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, मुंबई, पालघर, ठाणे और रायगढ़ जिलों में 9 नवंबर (गुरुवार) तक शुष्क मौसम रहेगा। मौसम विभाग ने 5 से 7 नवंबर के बीच रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर, सतारा और सांगली जिलों में आंधी और बिजली के साथ भारी बारिश का अनुमान जताते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी मुंबई के निदेशक सुनील कांबले ने कहा, कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहां हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 8 से 9 नवंबर के बीच निम्न दबाव बनने की संभावना है जिससे दिवाली सप्ताह के दौरान बारिश हो सकती है।

बुलढाणा में दीपावली का त्यौहार आते ही नकली मिठाइयों का व्यापार जोरों पर

अन्न औषध प्रशासन विभाग बेखबर

मुंबई हलचल/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। दीपावली के त्यौहार को लेकर मिलावटखोरों की सक्रियता बढ़ गयी है। जिले के अधिकांश हिस्सों मिलावटखोर भी मिठाइयों से लेकर सभी तरह के व्यंजनों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री में मिलावट कर मुनाफा करने का धंधा बढ़ाने में लग गए हैं। ऐसे में मिलावटी मिठाइयों साथ दूध भी सेहत बिगाड़ सकता है। हालांकि खाद्य विभाग भी बेखबर है लेकिन वह महज खानापूर्ति तक हो रही जबकि कार्यवाई में विभाग कोई दिलचस्पी नही दिखा पा रहा। दिपावली त्यौहार के मौके पर लड्डू, चकली, पपडी, विभिन्न प्रकार की चुडा किस तेल से बनाया जा रहा इस ओर खाद्य विभाग का ध्यान नही है। दीपावली पर खाद्य वस्तुओं के अलावा लड्डू समेत अन्य मिठाई की मांग

बढ़ जाती है। वहीं खाद्य वस्तुओं में दुध, तेल घी, बेसन, आंटा, मैदा, मसाला में मिलावट का धंधा भी जोरों पर चल रह है। दीपावली को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण स्तर पर मिलावट का यह धंधा ग्राहकों को चूना लगा रहा है। साथ ही उनकी सेहत के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। जिले की अधिकतर मिठाई दुकानों पर मिलावटी मिठाइयों में पेड़ा, सोनपापड़ी, डोडा बर्फी, पेड़ा, मिल्क शेक, केक, कलाकंद, खवा, बर्फी, बेसन लड्डू की खुलेआम बिक्री होती है। यहां बिक्री होने वाले लड्डू में सिथेटिक बुंदिया का प्रयोग किया जाता है। कम कीमत पर बाहर से मंगाई गई मिलावटी मिठाइयों का धंधा वर्षो से चल रहा है। मिलावटी मिठाइयों के फैलते धंधे पर रोक नहीं लगने से कारोबारियोंनके हौसले बुलंद होगए है। क्योंकि प्रशासन इस ओर बेखबर दिखाई दे रही है। जागरूक नागरिक का कहना है कि शासन के नियम के अनुसार मिठाई दुकानदार का मिठाई के ऊपर एक्सपायरी डेट लिखना जरूरी है। लेकिन जिले में कोई मिठाई दुकानदार एक्सपायरी डेट नहीं लिख हुए है। कई महीनों पुरानी मिठाइयां ग्राहकों को दे रहे हैं।

मुस्लिम समाज जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

मुंबई हलचल/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। स्थानीय रविन्द्र रंगमंच में मुस्लिम एजुकेशन प्रोग्रेसिव सोसाइटी बीकानेर की तरफ से मुस्लिम समाज मे शैक्षणिक विकास पर संगोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुस्लिम एज्युकेशन प्रोग्रेसिव सोसायटी के अध्यक्ष अब्दुल कदीर गौरी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत कारी मुहम्मद शाहिद द्वारा तिलावत ए कुरान पढ़कर की, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बी. एल. जाटावत (आईएएस) रहे। वही आरएएस अधिकारी श्री सुनील भाटी, श्री सुरेश कुमार नवल (निदेशक, चिकित्सा विभाग) अब्दुल रजाक (सेवानिवृत सीनियर एडिशनल डायरेक्टर जीपीएफ विभाग) हाजी शाहिद अहमद साहब (जनरल सेक्रेटरी एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट, जयपुर), श्री हारून खान (प्रदेश अध्यक्ष, अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान), डॉक्टर जाफिरुल हसन (सचिव अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान) डॉ आर एल परेवा, आदि बीकानेर से बाहर के अतिथियो ने हिस्सा लिया। इसके अलावा शाहकाजी बीकानेर जनाब शाहनवाज हुसैन, डॉ. तनवीर मालावत, हाजी मकसूद

अहमद, हारून राठौर, पार्षद रमजान कच्छावा, मौलाना इरशाद कासमी, एडवोकेट सैयद अनवर अली, नवाब अली कायमखानी, उमरदराज खान, डॉ. अर्पिता गुप्ता, सैयद शेरशाह आदि विशेष अतिथियो ने 170 प्रतिभाओं का सम्मान किया। कार्यक्रम में कक्षा 8वी, 10वी, 12वी, स्नातक, स्नातकोत्तर के साथ-साथ नेशनल खिलाड़ियो, राजकीय सेवा में चयनित प्रतिभाओं एवं MBBS, IIT, IIM, NEET आदि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में चयनित प्रतिभाओं तथा मदरसों में कुरान हिफ़्ज़ करने वाले बच्चो का सम्मान किया गया।

आयोग के सदस्य सारस्वत ने दी जानकारी

भारत में निकट भविष्य में 'हाइपरलूप' ट्रेन की संभावना नहीं : नीति आयोग

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत द्वारा निकट भविष्य में अत्यधिक द्रुत गति की ट्रेन के लिए हाइपरलूप प्रौद्योगिकी को अपनाने की संभावना नहीं है। नीति आयोग के सदस्य वी के सारस्वत ने रविवार को यह बात कही।

सारस्वत ने कहा कि अभी यह प्रौद्योगिकी परिपक्वता के 'बहुत निचले स्तर' पर है और फिलहाल यह आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी नहीं है। सारस्वत वर्जिन हाइपरलूप प्रौद्योगिकी की तकनीकी और व्यावसायिक व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए गठित एक समिति की अगुवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ विदेशी कंपनियों ने भारत में यह प्रौद्योगिकी लाने में रुचि दिखाई है।

हाइपरलूप एक हाईस्पीड ट्रेन

सारस्वत ने कहा, जहां तक हमारा सवाल है, हाइपरलूप प्रौद्योगिकी के बारे में हमने पाया कि विदेशों से जो प्रस्ताव आए थे, वे बहुत व्यवहार्य विकल्प नहीं हैं। वे प्रौद्योगिकी की परिपक्वता के बहुत निचले स्तर पर हैं। हाइपरलूप एक 'हाई-स्पीड' ट्रेन है, जो ट्यूब में वैक्यूम में चलती है। यह तकनीक इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला और अंतरिक्ष परिवहन कंपनी स्पेसएक्स का स्वामित्व रखने वाले एलन मस्क द्वारा प्रस्तावित है।

भारत में लिथियम बैटरी का उत्पादन काफी कम

चीन से लिथियम आयात पर भारत की निर्भरता संबंधी सवाल पर सारस्वत ने कहा कि आज की तारीख में भारत में लिथियम आयन बैटरी का उत्पादन बहुत कम है, इसलिए हम इसके लिए चीन और अन्य स्रोतों पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि हमारी ज्यादा निर्भरता चीन पर है, क्योंकि चीन की बैटरियां सस्ती हैं।

लिथियम आयन का 75 फीसदी चीन से आयात

सारस्वत ने इस बात का जिक्र किया कि भारत ने देश में बैटरी विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन दिया है। सारस्वत ने कहा, 'उम्मीद है कि अगले साल आपके पास कुछ कारोबारी घराने होंगे जो देश में बड़े पैमान पर लिथियम-आयन बैटरी का निर्माण करने के लिए आगे आएंगे।' लिथियम-आयन का लगभग 75 प्रतिशत आयात चीन से होता है।

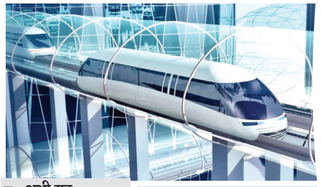

- अभी यह प्रौद्योगिकी परिपक्वता के निचले स्तर पर है
- हाइपरलूप प्रौद्योगिकी आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं

हम अभी प्रौद्योगिकी पर निवेश नहीं कर सकते : इसमें एक भारतीय और अन्य यात्री सवार थे। इसकी रफ्तार 161 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक थी। सारस्वत के मुताबिक, अभी तक जो पेशकश आई हैं, उनमें प्रौद्योगिकी की परिपक्वता का स्तर काफी कम है। 'हम इस तरह की प्रौद्योगिकी में निवेश नहीं कर सकते।'

देश की निजी कंपनियां पहले ही इन देशों से कर चुकी करार

लिथियम खनन के लिए भारत द्वारा चिली और बोलिविया से बात करने की खबरों पर सारस्वत ने कहा कि एक सुझाव था कि भारत को चिली, अर्जेंटीना और अन्य स्थानों में कुछ खनन सुविधाओं के अधिग्रहण के लिए जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हुआ यह है कि सरकार इन देशों में खानों के अधिग्रहण के लिए जाती, उससे पहले ही हमारे निजी क्षेत्र ने इन देशों की कंपनियों से करार कर लिया

पॉड का परीक्षण 2020 में अमेरिका में किया गया

सारस्वत ने कहा, 'इसलिए हमने आज की तारीख तक इसे ज्यादा महत्व नहीं दिया है। यह सिर्फ एक अध्ययन कार्यक्रम है। मुझे नहीं लगता कि निकट भविष्य में हाइपरलूप प्रौद्योगिकी हमारे परिवहन ढांचे में शामिल होगी।' वर्जिन हाइपरलूप का परीक्षण नौ नवंबर, 2020 को अमेरिका के लास वेगास में 500 मीटर के ट्रैक पर एक पॉड के साथ आयोजित किया गया था।

बचत समूह की महिलाओं के आंखों से छलके आंसू, रो पड़े जयश्रीताई शेळके

जिला स्तरीय प्रदर्शनी के समापन पर भावुक दृश्य देखने को मिला

मुंबई हलचल/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। दिशा बुलढाणा जिला महिला बचत समूह महासंघ की ओर से यहां आयोजित जिला स्तरीय महिला उद्यमी एवं बचत समूह प्रदर्शनी 'इन्वेंट मैनेजमेंट' एक बेहतरीन उदाहरण रही। इसका समापन एक भावनात्मक समापन से हुआ। इस मौके पर महिलाओं ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए आंसू बहाए। इससे मजबूती से काम कर रही दिशा फेडरेशन की अध्यक्ष जयश्री शेळके भावुक हो गईं और उनकी आंखों में आंसू भी देखे गए.यह भव्य प्रदर्शनी 4 से 5 नवंबर के बीच शासकीय बीएड कॉलेज के भव्य मैदान में आयोजित की गई थी। इस प्रदर्शनी में जिले के 140 बचत समूहों ने स्टॉल लगाये थे। इसमें स्वनिर्मित वस्तुएं, विभिन्न खाद्य सामग्री, कपड़े शामिल थे। उनकी सारी व्यवस्थाएं दिशा फेडरेशन की ओर से की गईं। संवेदनशील दिमाग वाली जयश्रीताई की खुद इस पर ग्रे नजर थी। उन्होंने आयोजन समिति को चेतावनी दी थी कि दूर से आईं ये महिलाएं पीछे नहीं रहनी चाहिए। इसलिए दो दिनों तक स्वयं सहायता समूह की हजारों महिलाएं हंसती-नाचती प्रदर्शन में शामिल हुईं। वे खुद को मिले सम्मान से अभिभूत थे। राजर्षि शाहू परिवार के संस्थापक भाऊसाहेब शेलके, प्रो. रामचन्द्र कानडजे, वनिताई देशमुख, डॉ. माधवी जवारे, अभिता कंपनी के सीईओ सुनील शेलके, अर्चनाताई शेडके, रजनीताई

शेळके, मोटाला पं. एस। पूर्व उपसभापति रावसाहब देशमुख, विष्णु फेपले व अन्य उपस्थित थे।

जयश्रीताई का काम प्रेरणादायक है - सदानंद देशमुख

लेखक समाज में कुछ नया देने के लिए प्रेरक व्यक्तित्वों की तलाश में रहते हैं। उसमें से एक नई सोच देने का काम लेखक को करना है। दो दिवसीय सेविंग्स ग्रुप प्रदर्शनी के माध्यम से हमें यह देखने को मिला कि दिशा सेविंग्स ग्रुप फेडरेशन की संस्थापक अध्यक्ष जयश्रीताई शेळके से कितनी महिलाएं प्रेरित हुईं। प्रोफेसर बारोमास्कर ने कहा, उनका काम प्रेरणादायक है और न केवल जिले में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इसका अनुकरण किया जाएगा। सदानंद देशमुख द्वारा चित्रित।

दिल्ली में प्रदूषण ने लोगों को किया बेहाल, कारोबार हो रहा चौपट

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली में प्राथमिक स्कूल 10 नवंबर तक बंद रहेंगे, हालांकि 6-12 वीं तक के स्कूलों को आदेश नहीं दिया गया है, लेकिन विकल्प दिया गया है कि वे चाहे तो ऑनलाइन क्लास चल सकते हैं। पहले 5 नवंबर तक स्कूल बंद किए गए थे। यहां वायु प्रदूषण एक खतरनाक स्तर पर है। दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 450 के पार चला गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार 5 नवंबर को सुबह 4 बजकर 18 मिनट पर राजधानी दिल्ली में एक्यूआई 453 दर्ज किया गया।

- फिलहाल दिल्ली और नोएडा सबसे प्रदूषित शहर बने
- रविवार को वायु प्रदूषण का स्तर थोड़ा सा गिरा पर अभी भी ठीक नहीं

प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद, वायु गुणवत्ता अभी भी 'गंभीर'

वायु गुणवत्ता 'खतरनाक'

एक्यूआई अभी भी 410 पर

लगातार चौथे दिन भी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में बनी हुई है, हालांकि रविवार को समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में मामूली गिरावट के साथ एक्यूआई 410 दर्ज हुई। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार लोधी रोड क्षेत्र में वायु गुणवत्ता 385 (बहुत खराब),जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में 456 के साथ (गंभीर) स्तर में है।लोधी गार्डन में सुबह की सैर करने वाले वालों ने बढ़ते प्रदूषण से सांस लेने में कठिनाई की शिकायत की।

यहां मॉर्निंग वॉक से बच रहे हैं लोग

ऐसी ही स्थिति नोएडा में भी बनी हुई, जहां एक्यूआई 466 के साथ हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई। तो वहीं गुरुग्राम में एक्यूआई 392 दर्ज हुई,जो हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रही।

श्वास संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ा

डॉक्टरों ने बताया कि किसी भी स्वस्थ व्यक्ति के लिए अनुशंसित एक्यूआई 50 से कम होना चाहिए, लेकिन इस स्तर पर सांस संबंधी बीमारियां बढ़ सकती हैं, सचेत रहें।

चेंबर ऑफ ट्रेड और इंडस्ट्री ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, दखल देने की मांग की

सख्त कार्रवाई की लगाई गुहार, ठोस कदम उठाएं: गोयल

त्योहारी सीजन के बावजूद दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण कारोबार में गिरावट आई है। चैंबर ऑफ ट्रेड और इंडस्ट्री (सीटीआई) ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रदूषण रोकथाम के लिए दिल्ली, पंजाब हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार के साथ आपातकालीन बैठक बुलाई जाए। सीटीआई ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर चैंबर ने मांग की है कि प्रदूषण रोकथाम के लिए केंद्र सरकार को उचित कदम उठाना चाहिए।

घरों से बाहर निकलने में कतरा रहे लोग

सीटीआई अध्यक्ष ब्रिजेश गोयल ने मांग की है कि केंद्र सरकार चारों राज्यों के साथ मिलकर वायु प्रदूषण पर चर्चा करें और प्रदूषण के खिलाफ ठोस कदम उठाएं। दिल्ली में हवा की गुणवत्ता गंभीर हो चुकी है। लोग अब खरीददारी के लिए घरों से बाहर निकलने में कतरा रहे हैं।

केंद्र ढूंढे समुचित समाधान

गोयल ने कहा कि प्रदूषण के कारण लोग दिल्ली नहीं आ रहे हैं। वे परेशान हैं। केंद्र को इस भयानक समस्या का समाधान ढूंढना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

मुंबई स्थित एनएसई पहुंचे पुष्कर सिंह धामी

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

उत्तराखंड। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, एनएसई पहुंच कर स्टॉक एक्सचेंज में संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर एनएसई, एनएसई की सांकेतिक बेल बजाकर अपनी उपस्थिति दर्ज की। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने 08 और 09 दिसंबर 2023 को देहरादून में होने वाले उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के अधिकारियों को आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा उद्योगों के अनुकूल नीतियां बनाई गई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगार के क्षेत्र युवाओं को अधिक से अधिक अवसर मिले, इस दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी एवं सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान ने कहा कि उत्तराखंड में एंटरप्रेन्योरशिप अपॉर्चुनिटी को बढ़ाने के एनएसई राज्य के युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए तैयार है। राज्य के दूर दराज के क्षेत्रों में भी राज्य सरकार के सहयोग से निशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस अवसर पर सचिव श्री विनय शंकर पांडेय, महानिदेशक उद्योग श्री रोहित मीणा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सैन्य धाम का किया निरीक्षण

मुंबई हलचल/ संवाददाता

देहरादून। सोमवार को, सूबे के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को देहरादून के गुनियालगांव में निमार्णाधीन सैन्यधाम का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य तय समय से पूर्ण होना चाहिए । सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम दिसंबर के अंत तक सैन्यधाम के निर्माण कार्य को पूर्ण करेंगे। मंत्री ने निर्माण के लिए बजट व्यवस्था पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि निर्माण के लिए सरकार ने बजट जारी कर दिया है और पुनरिक्षित आगणन पर बजट जारी करने के लिए मुख्य सचिव से वार्ता की जाएगी। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि यह देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना और मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है। प्रदेश के अमर शहीदों की याद में जल्द ही सैन्यधाम बनकर तैयार होगा। विदित हो कि सैन्यधाम निर्माण की भौतिक प्रगति 60 प्रतिशत पूर्ण हो गई है और सेना की तरफ से भी टैंक, एयरक्राफ्ट इत्यादि प्रदान किए जा चुके हैं। इस अवसर पर सैनिक

कल्याण विभाग के अपर सचिव सीएस धर्मसत्तू, निदेशक ब्रिगेडियर अमृत लाल, कर्नल बीएस रावत, उपजिलाधिकारी नंदन कुमार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक पुंडीर, पार्षद सुंदर कोठाल, अनुराग सिंह, लक्ष्मण रावत, परियोजना अधिकारी रवींद्र कुमार उपस्थित रहे।

लड़की की हत्या कर थाने पहुंचा युवक

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

रूड़की। रूड़की के पिरान कलियर थाना क्षेत्र का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहाँ, एक युवक ने पहले तो पत्नी की हत्या की उसके बाद खुद ही रूड़की कोतवाली जा पहुंचा जहां, उसने अपने जुर्म का इकबाल करते हुए बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर उसका शव थाना पिरान कलियर के जंगल मे फेंक दिया है। आरोपी से पूरी घटना सुनकर पुलिस भी सकते में आ गई और थाना पिरान कलियर को मामले की जानकारी दी गई, जिसके बाद पुलिस आरोपी को गाँव के जंगल मे ले गई। मौके से शव को बरामद कर लिया जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया । घटना की सूचना पाकर पुलिस महकमे के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और मामले की जानकारी में जुट गए है। एसपी देहात स्वपन किशोर ने बताया कि अभी आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस हर पहलू पर जाँच में जुटी है, और फोरेंसिक टीम को मौके पर भेजा गया है बाकी की जानकारी पूछताछ के बाद पता चल सकेगी। पिरान कलियर अपनी पत्नी के दुपट्टे से गला दबा कर ओर कांच के टुकड़ों से गर्दन काटकर अपनी ही पत्नी को उतारा मौत के घाट. कलियर पुलिस ने मामले में हत्या

का मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी को न्यायालय में पेश किया है। आपको बता दे की रविवार शाम एक युवक ने सिविल लाइंस कोतवाली पहुंचकर बताया कि मैने अपनी पत्नी को दुप्पटे से गला घोट कर हत्या कर दी. ओर पत्नी के शव को बाग में फेंक दिया है।

थाना पिरान कलियर पुलिस को सूचना दी सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों एवं अधिकारियों ने मामले में जांच की. वहीं तमाम जांच पड़ताल के बाद पूरा मामला जो सामने आया. तो पता लगा कि मृतक हत्यारोपी की पत्नी ही थी. और शक के चलते उसने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया. आरोपी ने बताया कि उसने माह पूर्व साहिबा से निकाह किया था. और वह अब उसक कहना नही मानती थी. इसलिए उसका गला दबाकर ओर कांच के टुकड़ों से गर्दन काटकर मैने उसे मौत के घाट उतार दिया। पिरान कलियर थाना प्रभारी रविंद्र शाह, एसएसआई आमिर खान, उपनिरीक्षक हेमदत्त भारद्वाज, हैड कांस्टेबल अलियास अली, जमशेद अली और भीमदत्त शामिल रहे।

युवक ने बिल्ली के साथ किया रेप

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून में एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने कथित तौर पर बिल्ली के साथ रेप किया है। मामला 1 नवंबर का है। 4 नवंबर को आरोपी व्यक्ति पर पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी द्वारा बिल्ली का रेप करने के कारण बिल्ली के प्राइवेट पार्ट में सूजन आ गई और खून भी निकल रहा था। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इस मामले को लेकर मकान मालकिन ने किराएदार के खिलाफ 4 नवंबर को शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत में बताया कि उनके घर में रहने वाले किराएदार ने को कुछ देर के लिए अपनी पालतू बिल्ली ख्याल रखने के लिए देकर बाहर चले गए थी,जब वो वापस आयी तो उन्होंने किरायदार को अपनी बिल्ली के साथ गलत काम करते देख लिया। मकान मालकिन ने यह भी बताया कि रेप के बाद बिल्ली के प्राइवेट पार्ट से खून निकल रहा था और प्राइवेट पार्ट में सूजन भी आ गई थी। पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर ली है। पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने बताया कि इस केस की जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले पर बात करते हुए कैंट पुलिस थाने के एसएचओ संपूणानंद ने बताया कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और आगे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस केस में शिकायतकर्ता ने आरोपी का नाम नहीं दिया है।

उत्तराखंड में निकाय चुनाव की तैयारियां शुरू

मुंबई हलचल/संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में निकाय चुनाव का इंतजार खत्म होने की दिशा में बढ़ रहा है। बाकायदा शासन स्तर से निकाय चुनाव की तैयारियां तेज कर दी गईं हैं। जल्द ही अब घर-घर मतदाताओं का सर्वेक्षण होने वाला है। राज्य में निकाय चुनाव लगातार खिसकते जा रहे हैं। ये तय नहीं हो पा रहा कि निकाय चुनाव पहले होंगे या लोस चुनाव। इसी बीच अब शासन ने सभी जिलों के निकायों में 14 नवंबर से सर्वेक्षण की तैयारी शुरू की है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अगले साल 02 फरवरी को कर दिया जाएगा। आगामी 14 नवंबर से राज्य में मतदाता सूची का सर्वेक्षण शुरू होने जा रहा है। इसके लिए प्रशासन की ओर से नामित टीमें हर घर में दस्तक देकर सर्वेक्षण करेंगीं। उसके बाद अगले साल फरवरी में अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। निकायों में 3000 की जनसंख्या के सर्वे के लिए एक संगणक नियुक्त किया जाएगा। उनके साथ पर्यवेक्षक और सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। ईओ ने बताया कि सर्वेक्षण में शामिल अधिकारियों को सात से नौ नवंबर तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। उसके बाद 14 नवंबर से आठ दिसंबर तक संगणक घर-घर दस्तक देकर सर्वे करेंगे। नौ दिसंबर से 13 दिसंबर तक सूचीबद्ध किया जाएगा। अल्मोड़ा नगर पालिका के ईओ भरत त्रिपाठी ने बताया कि शासन के निर्देश पर 14 नवंबर से मतदाताओं का सर्वे शुरू हो रहा है। ईओ ने बताया कि मतदाता सूची का प्रकाशन आठ जनवरी को होना है। वहीं, नौ से 15 जनवरी तक दावे और आपत्तियां मांगी जाएंगी। उसके बाद 16 से 22 जनवरी तक दावे और आपत्तियां निस्तारित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि अगले साल 02 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होना है।

जमानत के नाम पर 5 हजार की रिश्वत ले रहा था सिपाही, तभी हुआ कुछ ऐसा... मच गया हड़कंप

हरिद्वार। मारपीट के मुकदमे में थाने से ही जमानत देने के नाम पर पांच हजार की रिश्वत ले रहे जगजीतपुर पुलिस चौकी के एक सिपाही को विजिलेंस की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विजिलेंस उसे अपने साथ देहरादून ले गई है। सिपाही के रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े जाने से जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप मचा रहा। वहीं, आरोपित सिपाही के खिलाफ जिला स्तर पर भी अनुशासन की कार्रवाई शुरू हो गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने आरोपित को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, जगजीतपुर निवासी राजू सिंह ने विजिलेंस को शिकायत देकर बताया कि उसके स्वजन के खिलाफ 27 मई 2023 को तुषार निवासी पीठ बाजार, जगजीतपुर थाना कनखल ने घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने भी दूसरे पक्ष के खिलाफ क्रास मुकदमा दर्ज कराया था। बताया कि उनके विरूद्ध दर्ज मुकदमे के संबंध में 25 अक्टूबर को 2023 में पुलिस चौकी जगजीतपुर में मुंशी सिपाही पप्पू कश्यप ने फोन कर पुलिस चौकी बुलाया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कभी नहीं होगी मोतियाबिंद की समस्या अगर रोजाना खाएंगे 2 स्ट्रॉबेरी

लाल रंग के स्ट्रॉबेरी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। कई लोग स्ट्रॉबेरी का शेक बनाकर खाते हैं तो आइसक्रीम पर लगाकर। यह फल खाने में जितना टेस्टी है उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद भी है। इसमें प्रोटीन, कैलोरी, फाइबर, आयोडीन, फोलेट, ओमेगा 3, पौटाशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, विटीमिन बी और सी होते हैं जो हमें बीमारियों से बचाता है। रोजाना स्ट्रॉबेरी खाने से शरीर को कई फायदे होते हैं आज हम आपको उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे।

➢ मजबूत इम्यून सिस्टम
इसमें विटामिन बी और सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। रोजाना स्ट्रॉबेरी खाना से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। जिन लोगों को जल्दी थकान हो जाती है उनको स्ट्रॉबेरी जरूर खानी चाहिए।

➢ आंखों के लिए फायदेमंद
स्ट्रॉबेरी में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं जो आंखों में मोतियाबिंद की समस्या नहीं होने देता। रोजाना 2 स्ट्रॉबेरी खाने से आंखों पर चश्मा लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।

➢ कैंसर से बचाव
इसमें फ्लेवोनॉइड, फोलेट, केफेरॉल की भरपूर मात्रा पाई जाती हैं। रोजाना इसका सेवन शरीर में कैंसर पैदा करने वाले तत्व जन्म नहीं लेते। हेल्दी रहने के लिए स्ट्रॉबेरी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

➢ झुर्रियों से बचाव
स्ट्रॉबेरी में विटामिन सी की मात्रा ज्यादा होने के कारण यह शरीर में कोलाजेन अधिक पैदा करते हैं जो त्वचा में खिंचाव पैदा करते हैं। हमेशा जवां दिखने के लिए रोजाना 2 स्ट्रॉबेरी जरूर खाएं।

➢ दिल की बीमारियां
स्ट्रॉबेरी शरीर में बैड कॉलेस्ट्रॉल को बढ़ने से रोकने के साथ ही धमनियों को ब्लॉक होने से भी बचाता है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

➢ दांतों में चमक
इसमें एसिड होता है जो दांतों के पीलेपन को दूर करता है। स्ट्रॉबेरी को खाने और इसको दांतों पर रगड़ने से ही दांत चमकने लगते हैं। इससे दांत मजबूत भी होते हैं।

➢ हड्डियों बनाएं मजबूत
स्ट्रॉबेरी में मैग्नीज, पोटैशियम, विटामिन पाई जाती है जो हड्डियों का विकास करता है। जिन लोगों को हड्डियों से संबंधित कोई समस्या हो उनको रोजाना स्ट्रॉबेरी खानी चाहिए।

➢ डायबिटीज को करें नियंत्रित
डायबिटीज के मरीजों को मीठा खाना मना होता है। मगर इस मीठी स्ट्रॉबेरी में पाए जाने वाले गुण डायबिटीज टाइप 2 के खतरे को कम करती है।

➢ वजन घटाए
स्ट्रॉबेरी में फैट फ्री और लो कैलोरी वाली होती है जिसमें ना तो शक्कर होती है और ना ही सोडियम। रोजाना डेढ़ कप स्ट्रॉबेरी खाने से आपको बाहर का कोई स्नैक्स खाने की जरुरत नहीं पडेगी जिससे वजन नियंत्रण में रहेगा।

➢ डिप्रैशन
डिप्रैशन या टैंशन होने पर स्ट्रॉबेरी खाएं। रोजाना स्ट्रॉबेरी खाने से दिमाग ठंडा और मुड फ्रैशन रहता है।

➢ जोड़ों की सूजन करे कम
जोड़ों की सूजन को करने के लिए स्ट्रॉबेरी खाएं। इसमें पाए जाने एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोकैमिकल होते हैं जो कि जोड़ों की सूजन को कम करता है।

एक नहीं बल्कि पांच तरह का होता है नमक, जानिए आपके लिए कौन-सा है बैस्ट

सब्जी में नमक की सही मात्रा का होना बहुत जरूरी होता है। इससे शरीर में आयोडीन की कमी पूरी होती है और कई रोगों से राहत मिलती है। इसके अलावा खाने में नमक की कमी होने से फिकापन आ जाता है। वहीं, ज्यादा नमक सब्जी को कड़वा बना देता है। वैसे तो हर रसोई में सादा नमक इस्तेमाल होता है लेकिन इसके अलावा भी बहुत तरह का नमक होता है। सब्जी से लेकर फ्रूट और सलाद के लिए अलग-अलग तरह का नमक इस्तेमाल होता है। आइए जानें 5 तरह के नमक और इनके फायदे।

➢ सादा नमक
इस नमक का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। सादे नमक में सोडियम की मात्रा ज्यादा होती है, जो शरीर में आयोडिन की मात्रा पूरी हो जाती है। वहीं, जरूरत से ज्यादा इसका सेवन करने से हड्डियों पर इसका बुरा असर पड़ने लगता है। इस नमक के बिना खाने का स्वाद भी अधूरा लगता है इसलिए सही मात्रा में इसका सेवन करना बहुत जरूरी है।

➢ समुद्री नमक
सी साल्ट यानि समुद्री नमक समुद्र से प्राप्त होने वाला नमक का पहला रुप है। इसमें किसी तरह का कोई रिफाइन इस्तेमाल नहीं किया जाता। इसे बहुत से ब्यूटी प्रॉडक्ट में भी इस्तेमाल किया जाता है। खाने में यह भी नमकीन ही होता है। इससे कब्ज, पेट से संबंधित रोग, सूजन, थकान आदि परेशानियों से राहत मिलती है।

➢ काला नमक
फ्रूट चाट, सलाद, जूस, नींबू पानी और स्नैक्स के लिए ज्यादातर इस नमक का इस्तेमाल किया जाता है। सादे नमक से इसके स्वाद में थोड़ा फर्क होता है। बहुत सी देसी दवाइयों में भी काला नमक शामिल किया जाता है। इससे बदहजमी, पेट दर्द, पेट की गैस आदि कई परेशानियों से राहत मिलती है लेकिन जरूरत से ज्यादा इसका सेवन सेहत को बिगाड़ भी सकता है।

➢ लो-सोडियम सॉल्ट
हाई ब्लड प्रैशर के रोगी को डॉक्टर यह नमक खाने की सलाह देते हैं। इसमें सादे नमक की तरह ही सोडियम और पोटेशियम क्लोयराइड होते हैं लेकिन इसकी मात्रा सादे नमक के मुकाबले कुछ कम होती है। दिल के रोगियों और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह फायदेमंद है।

➢ सेंधा नमक
सेंधा नमक को शुद्ध नमक माना जाता है। ज्यादातर इसका इस्तेमाल लोग व्रत में करते हैं और इसे व्रत वाला नमक के नाम से भी जाना जाता है। इसमें कैल्शियम, पौटाशियम और मैग्नीशियम की मात्रा सादे नमक से ज्यादा होती है लेकिन इसमें आयोडीन नहीं होता। यही कारण है कि खाने में लगातार इसका इस्तेमाल नहीं किया जाता। इसकी कमी से घेंघा रोग होने का डर रहता है जो खासकर नमक से प्राप्त होता है।

खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत को भी दुरुस्त रखते हैं मसाले

खाने का जायका बढ़ाने के लिए हर रसोई में मसालों का इस्तेमाल किया जाता है। इससे फ्लेवर तो बढ़िया हो ही जाता है लेकिन यह सेहत के लिए भी बहुत गुणकारी है। जीरा, हल्दी, अजवाइन आदि ऐसी बहुत-सी चीजें हैं जो हर घर में इस्तेमाल की जाती हैं। सेहत से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियों के लिए घर में मौजूद यह चीजें बहुत बढ़िया हैं। आइए जानें मसालों के फायदे।

1. बड़ी इलायची सब्जियों में ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। इसका सेवन करने से सांस की बीमारी दूर रहती है।
2. खाने का छौंक जीरे के बिना अधूरा माना जाता है। यह सेहत के लिए भी बहुत बढ़िया है। जीरे के सेवन करने से खून की कमी दूर होती है।
3. सूखी लाल मिर्च से कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल रहता है। इससे जायका भी बढ़ जाता है।
4. लौंग का सेवन सर्दी-जुकाम, सांसों की बदबू और दांतों के लिए फायदेमंद है।
5. घबराहट से बचने के लिए सरसों के बीज को हथेलियों पर रगड़ना लाभकारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

STUDIO HOME
Fully Furnished
₹59.95 LACS*

1-BHK HOME
Semi Furnished
₹1.25 CRS*

Your
PERFECT HOME
is wating for you.

DUSSEHRA OFFER
₹2 Lacs Discount
to Empower Women

CONTACT
9820961360
9967119955
9820441545
keshavestate@gmail.com

I-stay BY STARWING
I-Stay, Marol Andheri East

Strategic Partner
KESHAV ESTATE CONSULTANT SINCE : 1990 RERA NO : A51700045892

RERA NO: A51700045892